

**M.A. IN GENDER AND DEVELOPMENT
STUDIES (MAGD)**

Term-End Examination

February, 2021

**MGSE-020 : GENDER AND FINANCIAL
INCLUSION**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : Answer any **five** questions. All questions carry equal marks.

1. Write an essay on Indian experience of financial inclusion with special reference to gender. Give suitable examples. 20
2. Discuss the role of financial institutions in the empowerment of women in India. 20
3. Discuss the impact of unaffordable credit on the lives of women. 20
4. Write an essay on social and community mobilization with suitable examples. 20
5. Is the experiment of forming SHGs a success story in India ? Discuss suitable case studies to justify your answer. 20

6. Examine the role of Reserve Bank of India in facilitating financial inclusion for women. Discuss its latest policies with regard to gender. 20
7. Write short notes on any *four* of the following : $4 \times 5 = 20$
- (a) Gender Diversity
 - (b) Networking
 - (c) Feminisation of Poverty
 - (d) Globalisation
 - (e) Corporate Social Responsibility
-

एम.ए. जेंडर एवं विकास अध्ययन (एम.ए.जी.डी.)

सत्रांत परीक्षा

फरवरी, 2021

एम.जी.एस.ई.-020 : जेंडर एवं वित्तीय समावेशन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. जेंडर के विशेष संदर्भ में वित्तीय समावेशन के भारतीय अनुभव पर एक निबन्ध लिखिए । उचित उदाहरण दीजिए । 20
2. भारत में महिलाओं के सशक्तिकरण में वित्तीय संस्थानों की भूमिका की चर्चा कीजिए । 20
3. महिलाओं के जीवन पर असाध्य (unaffordable) ऋण के प्रभाव की चर्चा कीजिए । 20
4. उचित उदाहरणों सहित सामाजिक एवं समुदाय एकजुटता पर एक निबंध लिखिए । 20
5. क्या स्व-सहायता समूह गठन संबंधी प्रयोग, भारत में एक सफल कहानी है ? अपने उत्तर की पुष्टि उचित केस स्टडीज़ (case studies) की चर्चा करते हुए कीजिए । 20

6. महिलाओं के लिए वित्तीय समावेशन को सुगम बनाने में भारतीय रिज़र्व बैंक की भूमिका की जाँच कीजिए। जेंडर के सम्बन्ध में इसकी नवीनतम नीतियों की चर्चा कीजिए। 20
7. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 4×5=20
- (क) जेंडर विविधता
 - (ख) नेटवर्किंग
 - (ग) निर्धनता का नारीकरण
 - (घ) वैश्वीकरण
 - (ङ) कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेवारी
-